हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर स्कीम

जुलाई, 2011 से आरंभ

परीक्षा-योजना तथा पाठ्यक्रम

विद्वत् परिषद् और कार्यकारी परिषद् की बैठक दिनांक 25 अप्रैल, 2011 में पारित

शिक्षा-वर्ष 2011 में बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय

विभाग का नाम : हिंदी

पाठ्यक्रम : बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

सेमेस्टर–1	प्रश्नपत्र–1: साहित्य चिन्तन – एक
	प्रश्नपत्र–2: प्राचीन और पूर्वमध्यकालीन कविता
	प्रश्नपत्र–3: समवर्ती – भाषा योग्यता
सेमेस्टर–2	प्रश्नपत्र–4: हिंदी कहानी
	प्रश्नपत्र–5: उत्तर मध्यकालीन कविता
	प्रश्नपत्र–6: समवर्ती – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर–3	प्रश्नपत्र–7: हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)
	प्रश्नपत्र–8: साहित्य चिन्तन–दो
	प्रश्नपत्र–9: समवर्ती – अंतः विषय
सेमेस्टर–4	प्रश्नपत्र–10: आधुनिक कविता–एक
	प्रश्नपत्र–11: सामान्य भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
	प्रश्नपत्र–12: हिंदी उपन्यास
	प्रश्नपत्र–13: समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर–5	प्रश्नपत्र–14: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
	प्रश्नपत्र–15: आधुनिक कविता–दो
	प्रश्नपत्र–16: हिंदी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएं
	प्रश्नपत्र–17: हिंदी नाटक
सेमेस्टर–6	प्रश्नपत्र–18: रचनात्मक लेखन
	प्रश्नपत्र–19: विकल्प
	प्रश्नपत्र–20: विकल्प
	प्रश्नपत्र–21: समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–2

SEMESTER BASED UNDER-GRADUATE HONOURS COURSES

Distribution of Marks & Teaching Hours

The Semester-wise distribution of papers for the B.A. (Honours), B.Com. (Honours), B. Com., B.Sc. (Honours) Statistics and B.Sc. (Honours) Computer Science will be as follows:

Type of Paper	Max. Marks	Theory Exam.	I.A.	Teaching per week
Main Papers	100	75	25	5 Lectures 1 Tutorial
Concurrent Courses	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial
Credit Courses for B.Sc.(Hons.) Mathematics	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial

- Size of the Tutorial Group will be in accordance with the existing norms.
- The existing syllabi of all Concurrent/Credit Courses shall remain unchanged.
- The existing criteria for opting for the Concurrent /Credit Courses shall also remain unchanged.

पाठ्यक्रम-प्रस्तावना

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम
B.A. (Hons.) Hindi

अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा के स्तर, स्वरूप एवं पाठ्यक्रम में समानता लाने और क्रेडिट स्थानांतरण को संभव बनाने के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय में जुलाई, 2011 के सत्र से लागू की जाने वाली सेमेस्टर प्रणाली के अनुरूप हिंदी-विभाग ने बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम के लिए नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया है।

इस सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा-योजना इस क्रम में लागू की जाएगी :

सेमेस्टर-1 : जुलाई, 2011-दिसंबर, 2011
सेमेस्टर-2 : जनवरी, 2012-मई, 2012
सेमेस्टर-3 : जुलाई, 2012-दिसंबर, 2012
सेमेस्टर-4 : जनवरी, 2013-मई, 2013
सेमेस्टर-5 : जुलाई, 2013-दिसंबर, 2013
सेमेस्टर-6 : जनवरी, 2014-मई, 2014

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित 21 प्रश्नपत्रों में से 16 प्रश्नपत्र हिंदी भाषा और साहित्य के होंगे तथा पाँच समवर्ती पाठ्यक्रमों का प्रावधान होगा। मुख्य विषय हिंदी के प्रश्नपत्रों की सामग्री के निर्धारण के समय शिक्षा और ज्ञान के बदलते परिदृश्य को सामने रखा गया है। इस क्रम में पारंपरिक एवं शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ नयी पीढ़ी के लिए उपयोगी नए विषयों का समावेश भी किया गया है। यह परिवर्तन पाठ-सामग्री के निर्धारण में तो लक्षित होता ही है, 'रचनात्मक लेखन' जैसे नए प्रश्नपत्र के समावेश में भी इसे देखा जा सकता है। अंतिम दो प्रश्नपत्र वैकल्पिक हैं। हिंदी (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य प्रतिनिधित्व की पूरी समग्रता के साथ समाविष्ट किया गया है। वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में हिंदी का प्रयोजनपरक पक्ष मज़बूत हो इस बात को ध्यान में रखकर वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में पाठ्यक्रम का निर्धारण उपयोगी है। भारतीय साहित्य का वैकल्पिक प्रश्नपत्र राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति की प्रस्तुति के संदर्भ में प्रासंगिक है।

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए पाँच लेक्चर प्रति सप्ताह का प्रावधान होगा।
3. ट्यूटोरियल कक्षाएँ विश्वविद्यालय के नियमानुसार आठ विद्यार्थी प्रति ग्रुप के हिसाब से प्रत्येक सप्ताह तथा हर प्रश्नपत्र में होंगी।
4. आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था और अंकों का अनुपात विश्वविद्यालय के निर्णयानुसार होगा।

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

प्रश्नपत्र–1	:	साहित्य चिंतन–1
प्रश्नपत्र–2	:	प्राचीन और पूर्वमध्यकालीन कविता
प्रश्नपत्र–3	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता
प्रश्नपत्र–4	:	हिंदी कहानी
प्रश्नपत्र–5	:	उत्तर मध्यकालीन कविता
प्रश्नपत्र–6	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – क्रेडिट योग्यता
प्रश्नपत्र–7	:	हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)
प्रश्नपत्र–8	:	साहित्य चिंतन–2
प्रश्नपत्र–9	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय
प्रश्नपत्र–10	:	आधुनिक कविता–1
प्रश्नपत्र–11	:	सामान्य भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा
प्रश्नपत्र–12	:	हिंदी उपन्यास
प्रश्नपत्र–13	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1
प्रश्नपत्र–14	:	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
प्रश्नपत्र–15	:	आधुनिक कविता–2
प्रश्नपत्र–16	:	हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
प्रश्नपत्र–17	:	हिंदी नाटक
प्रश्नपत्र–18	:	रचनात्मक लेखन
प्रश्नपत्र–19	:	विकल्प
प्रश्नपत्र–20	:	विकल्प
प्रश्नपत्र–21	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2

विकल्प	:	क. भाषा शिक्षण और हिंदी भाषा
	:	ख. अनुवाद
	:	ग. रंगमंच
	:	घ. मीडिया
	:	ड. भारतीय साहित्य

हिंदी ऑनर्स

सेमेस्टर-I

प्रश्नपत्र-1 : साहित्य चिंतन - एक

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और विभिन्न संप्रदाय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य संप्रदायों के आचार्य, उनके काल एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय)

2. रस : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद
3. शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना और तात्पर्य वृत्ति
4. अलंकार : स्वरूप और लक्षण, अलंकारों के भेद, काव्य में अलंकारों की उपयोगिता एवं भूमिका, **प्रमुख अलंकार**-अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दृष्टांत, निदर्शना, असंगति, विरोधाभास, विभावना, व्याजस्तुति, अन्योक्ति, अतिशयोक्ति।
5. छंद : स्वरूप (यति, गति, लय, मात्रा, तुक, वर्ण आदि) काव्य में छंदों की उपयोगिता एवं रचनात्मक भूमिका
   प्रमुख छंद – चौपाई, हरिगीतिका, रोला, दोहा, सोरठा, इन्द्रवज्रा, मंदाक्रांता, द्रुतविलम्बित, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया।
6. काव्यरूप : प्रबंधकाव्य–महाकाव्य, खण्डकाव्य, चरितकाव्य; मुक्तक, गीतिकाव्य एवं प्रगीत

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
2. काव्यतत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
3. काव्यदर्पण – रामदहिन मिश्र
4. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय
5. साहित्य-सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
6. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
7. रससिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण – आनंदप्रकाश दीक्षित
8. हिंदी अलंकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन – ओमप्रकाश

9. भारतीय साहित्यशास्त्र – बलदेव उपाध्याय
10. हिंदी ध्वन्यालोक – आचार्य विश्वेश्वर
11. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
12. रस-सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र
13. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा – राधावल्लभ त्रिपाठी
14. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
15. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
16. भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा'
17. साहित्य सहचर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रश्नपत्र-2 : प्राचीन और पूर्वमध्यकालीन कविता

पाठ-सामग्री :

1. अमीर खुसरो – **अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व** – परमानंद पांचाल
   हिंदी गज़ल – ग
   कव्वाली – घ (1) (2)
   गीत – ड. (4) (13)
   दोहे – च (7 दोहे)

2. विद्यापति – **विद्यापति की पदावली** : संपा. आचार्य श्री रामलोचन शरण
   संकलयिता : रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना
   वंदना – 1
   राधा की वंदना – 2 (देख देख राधा . . . अहनिसि कोर अगोरी)
   नख-शिख – 18, 20
   प्रेम-प्रसंग श्रीकृष्ण का प्रेम – 33, 34, 35
   राधा का प्रेम – 36, 37, 38

3. कबीरदास – **कबीर ग्रंथावली** : संपा. श्यामसुंदर दास, ना.प्र. सभा
   (नवाँ संस्करण, सं. 2021)
   गुरुदेव कौ अंग – 11, 17; सुमिरन कौ अंग – 5, 17; विरह कौ अंग – 11;
   परचा कौ अंग – 14; चितावणी कौ अंग – 13; माया कौ अंग – 17;
   कुसंगति कौ अंग – 2; संगति कौ अंग – 2; उपदेश कौ अंग – 1;
   बेसास कौ अंग – 7; जीवन मृतक कौ अंग – 9; सूरा तन कौ अंग – 20;
   काल कौ अंग – 1; कस्तूरिया मृग कौ अंग – 1; पद – 64, 66, 235

4. सूरदास – **सूरसागर**, ना.प्र. सभा, भाग-1, 2035 वाराणसी, संपा. नंददुलारे
   वाजपेयी, पंचम संस्करण
   भाग-1, भाग-2, संस्करण 2033
   विनय – पृष्ठ-38, छंद-138
   पृष्ठ-42, छंद-153
   वात्सल्य – पृष्ठ-243, छंद-110
   पृष्ठ-244, छंद-115
   पृष्ठ-323, छंद-3175
   भाग-2, दूसरा खंड
   शृंगार – पृष्ठ-397, छंद-672

पृष्ठ–398, छंद–673

रूपमाधुरी – पृष्ठ–580, छंद–1368; पहला खंड
पृष्ठ–18, छंद–1825; दूसरा खंड

मुरली – पृष्ठ–385, छंद–620
पृष्ठ–571, छंद–1325

भ्रमरगीत – पृष्ठ–373, छंद–3507
पृष्ठ–400, छंद–3631
पृष्ठ–490, छंद–3988
पृष्ठ–507, छंद–4073

5. कुतुबन – **मृगावती**
दर्शन खंड – 42 से 47
श्रृंगार–वर्णन खंड – 48 से 55

6. गोस्वामी तुलसीदास – **कवितावली**, गीताप्रेस, गोरखपुर, सं. 2052 वि, 36वाँ संस्करण
बालकांड – 1
अयोध्याकांड – 22
सुंदरकांड – 25
उत्तरकांड – 96, 106
विनयपत्रिका – संस्करण संवत्, 2055
पद संख्या 105, 111, 162, 172, 201

7. मीरा – **मीराँबाई की पदावली** : संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 17वाँ संस्करण, 1983, शक 1905
पद–संख्या – 5, 17, 18, 19, 22, 23, 25, 41, 73, 158

आलोचनात्मक प्रश्न : तीन
संदर्भ सहित व्याख्या : दो
पाठांश का रचना–कौशल–विश्लेषण : दो

सहायक ग्रंथ :

1. अमीर खुसरो – परमानंद पांचाल
2. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह

3. विद्यापति की पदावली – शिवकार कपूर
4. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
6. कबीर – सं. विजयेंद्र स्नातक
7. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
8. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
9. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
10. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
12. तुलसी-काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
13. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
14. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक – श्याममनोहर पाण्डेय
15. हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
16. सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
17. मीराँ का काव्य – भगवानदास तिवारी
18. मीरा, जीवन और काव्य – सी.एल. प्रभात
19. कृष्णलीला विमर्श – जगदीश भारद्वाज
20. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह

प्रश्नपत्र–3

समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता

सेमेस्टर-II

प्रश्नपत्र-4 : हिंदी कहानी

पाठ-सामग्री :

1.	रा.बा. घोष	–	दुलाईवाली
2.	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	–	सुखमय जीवन
3.	प्रेमचंद	–	माँ
4.	जयशंकर प्रसाद	–	इन्द्रजाल
5.	जैनेन्द्र कुमार	–	जाह्नवी
6.	कमलेश्वर	–	दिल्ली में एक मौत
7.	मोहन राकेश	–	मलबे का मालिक
8.	निर्मल वर्मा	–	धूप का एक टुकड़ा
9.	फणीश्वरनाथ रेणु	–	लाल पान की बेग़म
10.	भीष्म साहनी	–	पिकनिक
11.	अमरकांत	–	दोपहर का भोजन
12.	मन्नू भंडारी	–	एक कमज़ोर लड़की की कहानी
13.	कृष्णा सोबती	–	सिक्का बदल गया
14.	उदय प्रकाश	–	टेपचू
15.	मंजूर एहतेशाम	–	तस्बीह
16.	ओमप्रकाश वाल्मीकि	–	घुसपैठिये

आलोचनात्मक प्रश्न : तीन :

संदर्भ सहित व्याख्या : दो :

पाठांश का रचना-कौशल-विश्लेषण : दो :

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
2. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
3. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह
4. एक दुनिया समानांतर – राजेंद्र यादव
5. हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
6. अपनी बात – भीष्म साहनी

7. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
8. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
9. बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : हिंदी कहानी – नरेंद्र मोहन
10. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
11. बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष – भवदेव पांडेय

प्रश्नपत्र-5 : उत्तरमध्यकालीन कविता

पाठ-सामग्री :

1. रहीम – **रहीम ग्रंथावली,** संपा. विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2001
दोहावली - 38, 49, 63, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222, 238, 248

2. देव – **देवसुधा** (महाकवि देव से चारु चयन) संग्रहकार : मिश्रबंधु
गंगा ग्रंथागार, 36 लाटूरा रोड, लखनऊ : संशोधित एवं परिवर्द्धित तृतीय संस्करण, संवत् 2005
पद संख्या : 9, 17, 23, 37, 92, 102, 130, 137, 160, 168

3. बिहारी – **बिहारी-रत्नाकर,** प्रणेता : जगन्नाथदास रत्नाकार, शिवाला, वाराणसी
नवीन संस्करण-5, सन् 1969
दोहा संख्या : 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

4. भूषण – **भूषण ग्रंथावली** : सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र, तृतीय आवृत्ति संवत् 2026
छंद संख्या : 1, 2, 38, 50, 104, 124, 182, 411, 416, 420, 428, 442, 443, 512, 515

5. घनानंद – **घनानंद ग्रंथावली,** सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी वितान, बनारस, संस्करण प्रबोधिनी, 2009
छंद संख्या : प्रशस्ति 1, 2
सुजानहित - 1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54

6. गिरिधर – **गिरिधर कविराय ग्रंथावली,** सं. किशोरीलाल गुप्त, मधु प्रकाशन, 42, ताशकंद मार्ग, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1977
छंद संख्या : 11, 16, 36, 70, 71, 72, 99, 109, 328, 330

7. द्विजदेव – **शृंगार लतिकासौरभ** : महाराजा मानसिंह द्विजदेव,
प्रभात प्रकाशन, प्रथम संस्करण
छंद संख्या : 6, 7, 11, 12, 27, 28, 66, 68, 69, 70, 72

आलोचनात्मक प्रश्न : तीन
संदर्भ सहित व्याख्या : दो

पाठांश का रचना-कौशल-विश्लेषण : दो

सहायक ग्रंथ :

1. देव और उनकी कविता – डॉ. नगेंद्र
2. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
3. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीरप्रसाद सिन्हा
5. भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
6. भूषण – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
7. हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
8. गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) – सं. किशोरीलाल गुप्त
9. हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
10. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, भाग-6 – सं. डॉ. नगेंद्र
11. द्विजदेव और उनका काव्य – अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
12. घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
13. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
14. सनेह को मारग – इमरै बंगा

प्रश्नपत्र–6

समवर्ती पाठ्यक्रम – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र-7 : हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)

हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत विवेच्य बिन्दु

खण्ड-एक

हिंदी भाषा और साहित्य : उदय की पृष्ठभूमि

1. संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश
2. आदिकाल : परिवेश, नामकरण और साहित्यिक सामग्री
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

खण्ड-दो

1. मध्यकालीन परिवेश एवं मूल्यबोध
2. भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप
3. भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि
4. भक्ति आंदोलन की तत्त्वदृष्टि एवं जीवन-दर्शन
   (क) निर्गुण-सगुण की अवधारणा
   (ख) दार्शनिक चिंतन : गुरु, ब्रह्म, जीव, जगत्, माया, लोक, शास्त्र, प्रपत्ति, लीला और मोक्ष
   (ग) सामाजिक दृष्टि : नारी, वर्ण-व्यवस्था, जाति
   (घ) भक्त कवियों की भाषादृष्टि और काव्यभाषा
5. भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

खण्ड-तीन

1. रीति की अवधारणा और रीतिकाव्य
2. रीतिकाव्य के राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक आधार
3. रीतिकाव्य के स्रोत : शास्त्र, लोक, कला, ज्योतिष, आदि।
4. रीतिकाल : काव्यानुभूति के विविध आयाम – शृंगार, नायिका-भेद, सौंदर्य-बोध, प्रकृति, नीति, भक्ति, वीरता
5. रीति कवियों का अभिव्यंजना शिल्प
6. रीतिकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (17 खण्ड) – नागरीप्रचारिणी सभा
8. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रश्नपत्र-8 : साहित्य चिंतन - दो

खण्ड-एक

साहित्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय

1. आख्यानपरक कविता, प्रगीतात्मक कविता
2. मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
3. उपन्यास और कहानी
4. नाटक और एकांकी
5. निबंध – विचार प्रधान और ललित निबंध
6. आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र

खण्ड-दो

आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय

1. आधुनिकता और आधुनिकबोध
2. काव्यानुभूति
3. लोकमंगल
4. विरुद्धों का सामंजस्य
5. रूप और वस्तु
6. विभावन व्यापार
7. बिंब, प्रतीक और मिथक
8. फैंटेसी और भावाभास
9. विसंगति और विडंबना
10. सपाटबयानी
11. सहानुभूति और स्वानुभूति
12. आदर्शवाद और यथार्थवाद

खण्ड-तीन

प्रमुख आलोचकों के पाठों का संकलन

1. प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – काव्य में लोकमंगल
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ
4. रामविलास शर्मा – प्रगतिशील साहित्य और भाषा समस्या
5. डॉ. नगेंद्र – आधुनिकता का प्रश्न : साहित्य के संदर्भ में

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य कोश
2. चिन्तामणि – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. साहित्य सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
4. साहित्य सिद्धांत : रेनेवेलक – ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
5. आस्था के चरण – डॉ. नगेंद्र
6. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
7. हिंदी आलोचना के बीजशब्द – बच्चन सिंह
8. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ – रमेश गौतम
9. हिंदी गद्य, विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह
11. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी

प्रश्नपत्र–9

समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय

सेमेस्टर-IV

प्रश्नपत्र-10 : आधुनिक कविता - एक

पाठ-सामग्री :

1. (क) नज़ीर अकबराबादी – **नज़ीर की बानी :** संपा. रघुपति सहाय फिराक, इलाहाबाद लॉ जर्नल प्रेस, इलाहाबाद, संस्करण-1953
   कविता : आदमीनामा, आटे दाल का भाव (1)
   (ख) मैथिलीशरण गुप्त – **जयद्रथ-वध :** साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी, संस्करण : सम्वत् 2028
   सर्ग – सप्तम्
2. जयशंकर प्रसाद – कविताएँ : (i) विषाद (**झरना** से) भारती भंडार, इलाहाबाद, संस्करण, सम्वत् 2026
   (ii) हिमाद्रि तुंग शृंग से (नाट्यगीत, **चंद्रगुप्त** नाटक से)

(iii) प्रतिमा में सजीवता-सी ..... से 'किंजल्कजाल हैं बिखरे' तक	**आँसू** से
(iv) उठ-उठ री लघु लघु लोल लहर (v) बीती विभावरी जाग री (vi) ओ री मानस की गहराई	**लहर** से

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – कविताएँ :
   (i) जूही की कली – **परिमल,** राजकमल प्रकाशन, सं.-1978
   (ii) वसन वासन्ती लेगी – **अपरा**, भारती भंडार, इलाहाबाद, सं.-1972
   (iii) तोड़ो तोड़ो कारा – **अनामिका**, भारती भंडार, इलाहाबाद, सं.-1963
   (iv) तोड़ती पत्थर – **अपरा**, भारती भंडार, इलाहाबाद, सं.-1972

(v) स्नेह निर्झर बह गया है (vi) खेत जोत कर घर आए हैं	**निराला रचनावली** भाग-2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली तृतीय संस्करण, 1992

4. (क) सुभद्रा कुमारी चौहान – कविताएँ :

(i) ठुकरा दो या प्यार करो (ii) मेरा नया बचपन (iii) वीरों का कैसा हो बसंत (iv) मेरा जीवन	**मुकुल तथा अन्य कविताएँ** हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1965

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी – कविताएँ :

(i) सिपाही – **हिमकिरीटिनी;** सरस्वती प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद, सं. संवत् 2000

(ii) सिर पर पाग – **बीजुरी काजर आँज रही** : भारतीय ज्ञानपीठ, सं. 1969

(iii) पहले हुए लाल कोमल से – " " "

(iv) मेंहदी से तस्वीर खींच ली – **बीसवीं सदी का श्रेष्ठ गीत संचयन** : संपा. कन्हैयालाल नंदन, साहित्य अकादमी, संस्करण-2001

5. रामधारी सिंह दिनकर – **रश्मिरथी** (पंचम सर्ग) : उदयाचल, पटना, संक्षिप्त संस्करण

आलोचनात्मक प्रश्न : तीन :

संदर्भ सहित व्याख्या : दो :

पाठांश का रचना-कौशल-विश्लेषण : दो :

सहायक ग्रंथ :

1. नज़ीर अकबराबादी के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन – दामोदर वशिष्ठ
2. नज़ीर अकबराबादी और उनकी विचारधारा – अब्दुल अलीम
3. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र
4. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता – उमाकांत गोयल
5. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
6. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
7. जयशंकर प्रसाद – प्रेमशंकर
8. निराला की साहित्य-साधना – रामविलास शर्मा
9. अनकहा निराला – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
10. कवि निराला – नंददुलारे वाजपेयी
11. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
12. निराला काव्य की छवियाँ – नंदकिशोर नवल
13. माखनलाल चतुर्वेदी – ऋषि जैमिनी कौशिक
14. युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
15. रामधारी सिंह दिनकर – विजयेंद्र नारायण सिंह
16. स्वछंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर
17. छायावाद – नामवर सिंह
18. छायावाद के आधार-स्तंभ – गंगाप्रसाद पाण्डेय
19. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
20. आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान का विकास – केदारनाथ सिंह
21. छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान – सूर्यप्रसाद दीक्षित

प्रश्नपत्र-11 : सामान्य भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

1. भाषा और भाषाविज्ञान :
   भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषा-परिवर्तन के कारण, भाषाविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप और अध्ययन-पद्धतियाँ

2. स्वनविज्ञान (ध्वनिविज्ञान) और स्वनिमविज्ञान :
   - ध्वनि और स्वन, स्वनों (ध्वनियों) का वर्गीकरण, स्वन (ध्वनि) परिवर्तन के कारण, दिशाएँ
   - स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम और संस्वन

3. रूपविज्ञान :
   रूपिम की अवधारणा, रूपिम तथा संरूप, रूपिम के प्रकार, शब्द और पद में अंतर

4. वाक्यविज्ञान :
   वाक्य का स्वरूप, वाक्य-रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव

5. अर्थविज्ञान :
   शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ-निर्णय के साधन, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ

6. हिंदी की उपभाषाएँ, बोलियों का सामान्य परिचय

7. हिंदी की स्वनिम-व्यवस्था :
   (i) खंड्य स्वनिम - स्वर, व्यंजन
   (ii) खंड्येतर स्वनिम - अनुनासिकता, मात्रा, बलाघात, अनुतान, संहिता

8. भारतीय एवं पाश्चात्य भाषा-चिंतन :
   भर्तृहरि, पाणिनि, बौद्ध चिंतक
   सास्यूर, चॉम्स्की, सपीर

सहायक ग्रंथ :

1. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
5. हिंदी : उद्‌भव, विकास और रूप – हरदेव बाहरी
6. सामान्य भाषाविज्ञान – वैश्ना नारंग

7. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा
8. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
9. संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग

प्रश्नपत्र-12 : हिंदी उपन्यास

पाठाधारित और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

1. प्रेमचंद – कर्मभूमि
2. वृंदावनलाल वर्मा – झाँसी की रानी
3. उषा प्रियंवदा – पचपन खंभे लाल दीवारें
4. भीष्म साहनी – तमस

<u>द्रुतपाठ</u>

केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

(तीन उपन्यासों में से कोई दो उपन्यास निर्धारित किए जा सकते हैं।)

1. इलाचंद्र जोशी – जहाज का पंछी
2. श्रीलाल शुक्ल – राग दरबारी
3. मृदुला गर्ग – कठगुलाब

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा – रामदरश मिश्र
2. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
3. प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
4. उपन्यास का उदय – इयान वॉट
5. उपन्यास के पहलू – ई.एम. फोर्स्टर
6. उपन्यास और लोकजीवन – रॉल्फ फॉक्स
7. विविध प्रसंग – प्रेमचंद
8. कलम का सिपाही – अमृत राय
9. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
10. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा
11. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह

प्रश्नपत्र–13

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर-V

प्रश्नपत्र-14 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

विवेच्य बिंदु :

1. (क) मध्यकालीन और आधुनिक बोध : संक्रमण की ऐतिहासिक परिस्थितियाँ
   (ख) नवजागरण और भारतेंदु मंडल : मुद्रण का आरंभ और उसके प्रभाव से रचना रूपों में आए परिवर्तन (निबंध, नाटक, कविता, उपन्यास, पत्रकारिता आदि के विकास का आकलन)
   (ग) ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली विवाद
   (घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी और राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी की भूमिका
2. (क) स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण-चेतना के विविध उत्कर्ष : गाँधीवाद और नव-वेदांतवाद, छायावाद, रहस्यवाद और यथार्थवाद, उत्तर छायावाद
   (ख) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
   (ग) साहित्यिक आंदोलन : नई कविता, अकविता, नवगीत, हिंदी गज़ल
3. गद्य विधाओं का विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, आलोचना, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिंदी वाङ्मय - बीसवीं शती – डॉ. नगेंद्र
4. छायावादोत्तर हिंदी गद्य-साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. हिंदी निबंध के आधार-स्तंभ – हरिमोहन
6. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी
7. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र
9. भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
10. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
11. छायावाद – नामवर सिंह

12. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
13. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत
14. प्रगतिवाद – शिवकुमार मिश्र
15. छठवाँ दशक – विजयदेव नारायण साही
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. समसामयिकता और हिंदी कविता – रघुवंश
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
19. तार सप्तक और दूसरा सप्तक की भूमिका – सं. अज्ञेय
20. हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेंद्र गौतम
21. हिंदी गज़ल की विकास-यात्रा – ज्ञानप्रकाश विवेक
22. समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथप्रसाद तिवारी

प्रश्नपत्र-15 : आधुनिक कविता-दो

पाठ-सामग्री :

1. स. ही. वा. अज्ञेय – साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
   मैंने देखा एक बूंद
   हिरोशिमा
   कितनी नावों में कितनी बार
   उन्होंने घर बनाए
   कलगी बाजरे की
   सोन मछली
   झरा पत्ता

   अज्ञेय काव्य स्तबक, सं. विद्यानिवास मिश्र, रमेशचंद्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली, प्र.सं. 1995, पुनर्मुद्रण 2009

2. भवानी प्रसाद मिश्र – कालजयी (निर्वाण सर्ग)

3. नागार्जुन – भारतीय जनकवि का प्रणाम
   देवी लिबर्टी
   खिचड़ी विप्लव देखा हमने
   थकित चकित भ्रमित भग्न मन
   शिखरों पर
   अकाल और उसके बाद
   कालिदास
   बहुत दिनों के बाद

   नागार्जुन रचनावली, सं. शोभाकांत राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003

4. नवगीत एवं गज़ल धारा

   (क) शंभुनाथ सिंह – पगडंडी : नवगीत अर्द्धशती, पराग प्रकाशन, दिल्ली, 1986

   देश हैं हम राजधानी नहीं
   पास आना मना दूर जाना मना
   मन का आकाश उड़ा जा रहा

   वक्त की मीनार पर, पराग, दिल्ली, 1986

   मुझको क्या-क्या न मिला – **नवगीत दशक-1,** पराग, दिल्ली, 1982

(ख) वीरेंद्र मिश्र – जन-सामान्य का युद्ध विरोधी गीत : **झुलसा है छायानट धूप में,** प्राची प्रकाशन, दिल्ली, 1980
मालिनी वसंती : **अविराम चल मधुवंती,** भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1967
समारोही कलाकार के प्रति : **झुलसा है छायानट धूप में,** प्राची प्रकाशन, दिल्ली, 1967
पेड़ का वक्तव्य : **अंतराल,** किताबघर, दिल्ली, 2000
दर्पण हैं हम : **झुलसा है छायानट धूप में,** प्राची प्रकाशन, दिल्ली, 1980

(ग) दुष्यंत कुमार – गीत : फिर किसी ने . . .
गज़ल : ये सारा जिस्म . . .
कहां तो तय था . . .
वो आदमी नहीं है . . .
बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं.....
दुष्यंत कुमार रचनावली, सं. विजयबहादुर सिंह, किताबघर, दिल्ली, द्वि 2007

5. साठोत्तरी कविता धारा

(क) रघुवीर सहाय – अरे अब ऐसी कविता लिखें
टेलीविजन
आज की कविता
किले में औरत
हिंदी
रघुवीर सहाय रचनावली, सं. सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2000

(ख) धूमिल – मोचीराम : **संसद से सड़क तक,** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्र.स. 1972, तृ.आ. 1980

(ग) केदारनाथ सिंह – पानी की प्रार्थना
चींटियों की रुलाई
तालस्ताय और साइकिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2005

सड़क पर दिख गए कवि त्रिलोचन
आंकुसपुर
नाम
अकाल में सारस, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, 1988

सहायक ग्रंथ :

1. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
2. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
3. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
4. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ तिवारी
5. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
6. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
7. समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
8. आज की कविता – विनय विश्वास

9. आधुनिक कविता-यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
11. हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेंद्र गौतम
12. हिंदी नवगीत की विकास-यात्रा – माधव कौशिक
13. हिंदी गज़ल की विकास-यात्रा – ज्ञानप्रकाश विवेक
14. नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहल

प्रश्नपत्र-16 : हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

पाठ-सामग्री

खण्ड-एक (निबंध)

1. बालकृष्ण भट्ट - जबान
2. प्रतापनारायण मिश्र - भेड़ियाधसान
3. बालमुकुंद गुप्त - शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन
4. महावीरप्रसाद द्विवेदी - कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता

खण्ड-दो (निबंध)

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
2. रामचंद्र शुक्ल – करुणा
3. सरदार पूर्णसिंह – मजदूरी और प्रेम
4. विद्यानिवास मिश्र – तमाल के झरोखे से

खण्ड-तीन (संस्मरण)

1. महादेवी वर्मा – भक्तिन
2. नंददुलारे वाजपेयी – रत्नाकर
3. रांगेय राघव – अदम्य जीवन
4. राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

खण्ड-चार (व्यंग्य)

1. हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
2. शरद जोशी – होना कुछ नहीं का

3. श्रीलाल शुक्ल – अंगद का पाँव
4. मनोहरश्याम जोशी – अरे बनाहिने से तो बनिहै बायोग्राफी

खण्ड-पाँच (आत्मकथा)

1. आत्मकथा : राजेंद्र प्रसाद
2. द्रुतपाठ : कोई एक
   (क) ओमप्रकाश वाल्मीकि – जूठन
   (ख) बच्चन की आत्मकथा (संक्षिप्त) – अजित कुमार
   (ग) पांडेय बेचेन शर्मा 'उग्र' – अपनी खबर

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. भारतेंदु युग – रामविलास शर्मा
4. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी वाड्मय : बीसवीं शताब्दी – डॉ. नगेंद्र
7. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य – हरदयाल
8. महादेवी का गद्य साहित्य – माखनलाल शर्मा
9. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप-विश्लेषण – विनीता अग्रवाल

प्रश्नपत्र-17 : हिंदी नाटक

पाठाधारित और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए :

(क)

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र – भारतदुर्दशा
2. जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी
3. जगदीशचंद्र माथुर – पहला राजा
4. **एकांकी :**
   1. रामकुमार वर्मा – चारुमित्रा
   2. भुवनेश्वर – श्यामा : एक वैवाहिक विडंबना
   3. उपेंद्रनाथ अश्क – सूखी डाली
   4. मोहन राकेश – अंडे के छिलके
   5. धर्मवीर भारती – नीली झील
   6. विपिन कुमार अग्रवाल – तीन अपाहिज
   7. सुरेंद्र वर्मा – नींद रात भर क्यों नहीं आती
   8. विष्णु प्रभाकर – वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)

(ख) द्रुतपाठ (किन्हीं दो नाटकों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।)

1. लक्ष्मीनारायण मिश्र – मुक्ति का रहस्य
2. लक्ष्मीनारायण लाल – सत्य हरिश्चंद्र
3. स्वदेश दीपक – कोर्ट मार्शल
4. मीरा कांत – नेपथ्य राग

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन (संपा.)
2. हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम
3. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा
4. हिंदी नाटक : नई परख – रमेश गौतम (संपा.)
5. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
6. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
7. नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
8. रंगानुभव के बहुरंग – रमेश गौतम
9. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेंद्र
10. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार

सेमेस्टर-VI

प्रश्नपत्र-18 : रचनात्मक लेखन

1

रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत,
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य,
बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि

2

क. रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ
अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष

ख. रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण
रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन :
क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
घ. विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि
ड. बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

4

सूचना-तंत्र के लिए लेखन
प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि।
इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

5

प्रकाशन-तंत्र : सामान्य परिचय
पुस्तक-प्रकाशन, पत्रिका-प्रकाशन, प्रसारण-व्यवस्था
संपादन एवं प्रूफ-पठन
लेखक-प्रकाशक संबंध

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
2. शैली – रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
4. कला की जरूरत – अर्न्स्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
5. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – मुक्तिबोध
6. साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. सृजनशीलता और सोंदर्यबोध – निशा अग्रवाल
8. कविता-रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल
9. समकालीन कविता में छंद – अज्ञेय
10. कविता से साक्षात्कार – मलयज
11. कविता क्या है – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
12. एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी
13. हिंदी साहित्य का छंदविवेचन – गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
14. अलंकार-धारणा : विकास और विश्लेषण – शोभाकांत मिश्र
15. काव्यार्थ चिंतन – शिवरुद्रप्पा
16. सौंदर्य मीमांसा – रा.भा. पाटणकर
17. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय
18. उपन्यास सृजन की समस्याएं – शमशेरसिंह नरूला
19. काव्यभाषा के सिद्धांत – महेंद्र मधुकर
20. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान – बैकुंठनाथ ठाकुर
21. काव्य के तत्त्व – देवेंद्रनाथ शर्मा
22. रंगदर्शन – नेमिचंद्र जैन
23. अंतरंग बहुरंग – देवेंद्रराज अंकुर
24. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी
25. पटकथा लेखन – मनोहरश्याम जोशी
26. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
27. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत, प्रभात रंजन
28. रेडियो नाटक की कला – सिद्धनाथ कुमार
29. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – मनोहर प्रभाकर
30. रूपक लेखन – बृजभूषण सिंह
31. पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर
32. संवाद निरंतर – नंद भारद्वाज
33. सर्जक का मन – नंदकिशोर आचार्य
34. शब्द-शक्ति विवेचन – रामलखन शुक्ल
35. राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन – एच.आर.एफ. कीटिंग

विकल्प

विकल्प

नोट : विद्यार्थी 19वें तथा 20वें प्रश्नपत्र के रूप में निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प का चुनाव करेंगे :

विकल्प :
(क) भाषा शिक्षण और हिंदी भाषा
(ख) अनुवाद
(ग) रंगमंच
(घ) मीडिया
(ड.) भारतीय साहित्य

विकल्प-क : भाषा शिक्षण एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र-19 : हिंदी भाषा की संरचना

1. हिंदी भाषा का भाषावैज्ञानिक और सामाजिक संदर्भ
   – भाषा नियोजन : भाषा का मानकीकरण
     भाषा का आधुनिकीकरण
     त्रिभाषा फॉर्मूला
   – हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
   – हिंदी भाषा और उसकी क्षेत्रीय बोलियाँ
   – हिंदी की सामाजिक शैलियाँ – हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी
2. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था और वर्तनी
   – हिंदी स्वनों (ध्वनियों) का वर्गीकरण
   – हिंदी की खंड्येतर ध्वनियाँ : बलाघात, संहिता, अनुतान, अनुनासिकता
   – हिंदी की आक्षरिक व्यवस्था
   – हिंदी वर्तनी की आधारभूत समस्याएँ और समाधान
3. हिंदी की व्याकरणिक व्यवस्था
   – शब्द वर्ग : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
   – व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, काल, कारक
   – वाक्य व्यवस्था : साधारण, मिश्र और संयुक्त

4. शब्द-भंडार और आर्थी संरचना
   – हिंदी की आधारभूत शब्दावली
   – शब्दों के विविध स्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी
   – हिंदी की आर्थी संरचना : अनेकार्थी, पर्यायवाची, विलोम, समरूपी शब्द
5. हिंदी व्याकरण की परंपरा
   – केलॉग, कामता प्रसाद गुरु, किशोरीदास वाजपेयी के हिंदी व्याकरण तथा उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
3. हिंदी : उद्भव विकास और रूप – हरदेव बाहरी
4. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा
6. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
7. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
8. A Grammer of the Hindi Language ---- Kellog
9. Hindi Linguistics --- R.N. Shrivastava

प्रश्नपत्र-20 : भाषा-शिक्षण

1. भाषा-शिक्षण के संदर्भ
   भाषा-शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
2. भाषा-शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ
   – प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
   – अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
   – मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
   – सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा-शिक्षण
3. भाषा-शिक्षण की विधियाँ :
   – भाषा-कौशल – श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।
   – भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण; भाषा-कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास
   – अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : व्याकरण-अनुवाद-विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप-विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण-विधि
4. हिंदी शिक्षण :
   – हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा
   – द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण
   – विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिंदी शिक्षण
5. भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन
   – भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना
   – भाषा-परीक्षण के प्रकार
   – मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष – सं. अमर बहादुर सिंह
3. भाषा-शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – (सं.) ब्रजेश्वर वर्मा
4. भाषा-शिक्षण – लक्ष्मीनारायण शर्मा
5. हिंदी शिक्षण : अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य (सं.) सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
6. हिंदी भाषा-शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
7. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – (सं.) रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी
8. Focus Group Papers on Teaching of Indian Languages : NCERT, 2005

विकल्प-ख : अनुवाद

प्रश्नपत्र-19 : अनुवाद और तत्काल भाषांतरण (एक)

1

- भारत का भाषायी परिदृश्य
  भारत की प्रधान भाषाएँ
  भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान और अनुसूचित भाषाएँ, राजभाषा की अवधारणा
  भारत में अंग्रेज़ी – अंतर्विरोधों का स्वरूप विवेचन – कोड मिश्रण
  द्विभाषिकता एवं बहुभाषिकता
- बहुभाषा-भाषी भारतीय समाज और पारस्परिक बोधगम्यता का प्रश्न
  अनुवाद की भूमिका
- भाषा और समाज, भाषा और संस्कृति

2

- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – तात्पर्य निर्णय, प्रकृतिगत एवं प्रविधिगत अंतर
- अनुवाद का व्यावसायिक परिदृश्य : अनुवाद संबंधी संस्थाएँ और उनके कार्य, अनुवादक पद की अर्हताएँ,
- अनुवादकार्य में प्रकाशनाधिकार – स्वरूप और समस्याएँ
- मूल लेखन और अनुवाद – सर्जनात्मकता का प्रश्न
- अनुवाद सामग्री – विविध रूप और अभिव्यक्ति का वैशिष्ट्य
  क. सर्जनात्मक साहित्य
  ख. ज्ञान-विज्ञान का साहित्य
  ग. तकनीकी साहित्य
  घ. सूचनापरक साहित्य
- भाषिक प्रयुक्तियाँ और उनकी शैलीगत विविधताएँ
- तत्काल भाषांतरण – स्वरूप, प्रवृत्ति एवं प्रविधि

3

- अनुवाद के उपकरण – कोश ग्रंथ; अनुवाद और कम्प्यूटर-यांत्रिक अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद की शक्ति और सीमा
- अनुवाद और कोश, हिंदी में कोशकार्य, कोश संरचना, शब्द-संसार और शब्द संस्कार, अर्थ छवियाँ, हिंदी के प्रमुख कोशग्रंथ

- कोशों के विविध रूप :
  - क. ज्ञान कोश (विश्वकोश)
  - ख. शब्दकोश
  - ग. संस्कृतिकोश
  - घ. समान्तर कोश
  - ड. उच्चारण कोश
  - च. पारिभाषिक शब्दकोश
  - छ. प्रतीक कोश

  अनुवाद में लिप्यंतरण का महत्व, लिप्यंतरण के सिद्धांत

  अभ्यास – विविध कोशों के प्रयोग का अभ्यास, शब्दज्ञान, समानक शब्द, एक शब्द के अनेक अर्थ, शब्द-निर्माण, शब्दों का व्याकरणिक स्वरूप

4

- अनुवाद के सोपान – भाषिक विश्लेषण, भाषान्तरण, पुनरीक्षण, संपादन

  भाषिक इकाइयाँ – ध्वनि-शब्द-पद-वाक्य-प्रोक्ति

  भाषिक क्षमता और भाषिक दक्षता

  शब्द की अर्थ परिधि और अर्थ छवियाँ

  स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा – सैद्धांतिक अंतर, लेखक, अनुवादक-पाठक

5

- भाषान्तरण की अवधारणा – कथ्य और अभिव्यक्ति
- भाषा विश्लेषण की पद्धतियाँ और व्यतिरेकी विश्लेषण, अंग्रेज़ी-हिंदी व्यतिरेकी विश्लेषण
- पाठधर्मिता, भाषा-संस्कृति, सर्जनात्मकता, शैली वैशिष्ट्य
- समतुल्यता का सिद्धांत
- अननुवाद्यता
- मुहावरे और लोकोक्तियों का अनुवाद

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. नगेंद्र – अनुवाद विज्ञान
2. रामालु रेड्डी – अनुवाद के सिद्धांत
3. हेमचंद्र पांडे – अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
4. हरि बाबू कंसल – कार्यालय प्रदीपिका
5. विजयकुमार मल्होत्रा – कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
6. सुरेश सिंहल – सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद

7. नवीन चंद्र सहगल – काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
8. विमलेश कांति वर्मा (सं.) – कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली
9. NIDA, E – The Theory & Practice of Translation
10. NIDA, E – Language, Structure & Translation
11. Baker, Mona – Routledge Encyclopaedia of Translation
12. House, Juliance – Translation Evaluation
13. Wilks, Vorick – Machine Translation : Its Scope & Limits
14. Baker, H. – Translation & Interpreting
15. Mossop, B – Revising and Editing for translators
16. Munday, J – Introducing Translation Studies : Theories and Applications
17. Munday, J – The Roultledge Companion to Translation Studies
18. Raghubir – Comprehensive English-Hindi Dictionary
19. R.S. Mc Gregor – Oxford Hindi-English Dictionary
20. Hardeo Bahari – English-Hindi Dictionary

प्रश्नपत्र-20 : अनुवाद एवं तत्काल भाषान्तरण-दो

1

- साहित्यिक अनुवाद – स्वरूप और समस्याएँ
- सृजनशीलता और अनुवाद
- काव्यानुवाद की भाषा-भावगत जटिलता
- नाटक का अनुवाद

अभ्यास – साहित्यिक अनुवाद

2

- क. ज्ञान-विज्ञान का साहित्य – स्वरूप और प्रकृति
  पारिभाषिक शब्दावली – पारिभाषिक शब्द निर्माण के सिद्धांत
  – व्याकरणिक विधान
- ख. कार्यालयी अनुवाद, विधिक साहित्य का अनुवाद और विज्ञापन का अनुवाद-स्वरूप, प्रकृति और समस्याएँ

अभ्यास – 1. ज्ञान-विज्ञान के साहित्य का अनुवाद
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. विज्ञापन का अनुवाद

3

- पुनरीक्षण की अवधारणा : पुनरीक्षण और मूल्यांकन
- पुनरीक्षण की प्रविधि

पुनरीक्षण अभ्यास

4

- अनुवाद और पाठक, पठनीयता का संदर्भ
- अनुवाद संपादन – प्रविधि
- भाषा और लिपि का मानकीकरण, लिप्यंतरण की विधियाँ, भाषिक संरचना एवं भाषा व्यवहारगत विशिष्टताएँ

- मानकीकृत देवनागरी वर्तनी

संपादन अभ्यास – विविध विषयों से अनुवादों का संपादन

5

- अनुवाद मूल्यांकन की अवधारणा, आवश्यकता
- मूल्यांकन के प्रतिमान
- मूल्यांकन की प्रविधि

  एक रचना के विविध अनुवादों का सापेक्षिक मूल्यांकन

मूल्यांकन अभ्यास :

क. साहित्यिक रचना

ख. तकनीकी रचना

ग. विज्ञापन

घ. विधिक साहित्य

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. नगेंद्र – अनुवाद विज्ञान
2. रामालु रेड्डी – अनुवाद के सिद्धांत
3. हेमचंद्र पांडे – अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
4. हरि बाबू कंसल – कार्यालय प्रदीपिका
5. विजयकुमार मल्होत्रा – कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
6. सुरेश सिंहल – सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
7. नवीन चंद्र सहगल – काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
8. विमलेश कांति वर्मा (सं.) – कोश विशेषांक
9. NIDA, E – The Theory & Practice of Translation
10. NIDA, E – Language Structure & Translation
11. Baker, Mona – Routledge Encyclopaedia of Translation
12. House, Juliance – Translation Evaluation
13. Wilks, Vorick – Machine Translation : Its Scope & Limits
14. Baker, H. – Translation & Interpreting
15. Mossop, B – Revising and Editing for translatiors
16. Munday, J – Introducing Translation Studies : Theories and Applications
17. Munday, J – The Roultledge Companion to Translation Studies
18. Raghubir – Comprehensive English-Hindi Dictionary
19. R.S. Mc Gregor – Oxford Hindi-English Dictionary
20. Hardeo Bahari – English-Hindi Dictionary

विकल्प-ग : रंगमंच

प्रश्नपत्र-19 : रंगमंच सिद्धांत : भारतीय एवं पाश्चात्य

1. (क) प्राचीन भारतीय नाट्यरूप – रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय)
   (ख) आधुनिक भारतीय नाट्यरूप – एकांकी, काव्य नाटक, रेडियो नाटक एवं नुक्कड़ नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

2. पश्चिमी नाट्यभेद – त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय)

3. नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तु के विरेचन-सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

4. नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्त्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध, दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

5. रंगकर्म : नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म

सहायक ग्रंथ :

1. रंगमंच – बलवंत गार्गी
2. रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक
3. रंगदर्शन – नेमिचंद जैन
4. रंगमंच देखना और जानना – लक्ष्मीनारायण लाल
5. भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेंद्रनाथ दीक्षित
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोष – राधावल्लभ त्रिपाठी
7. रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण
8. रंग-स्थापत्य – एच.वी. शर्मा
9. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी

प्रश्नपत्र-20 : हिंदी रंगमंच

1. (क) पारंपरिक रंगमंच
   (रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)
   (ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन-परंपरा और आधुनिक रंगमंच
2. हिंदी नाटक की विकास-यात्रा
   (क) स्वतंत्रतापूर्व : पारसी थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा इप्टा
   (ख) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रंगमंडल भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाइज़्ड), यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक-शैली
4. प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, इब्राहिम अल्काजी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, लखमीचंद एवं भिखारी ठाकुर
5. किसी प्रस्तुति (हाल ही में प्रस्तुत) की रंगमंचीय समीक्षा

सहायक ग्रंथ :

1. पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
2. परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर
3. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात
4. पारसी हिंदी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
5. नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री
6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
7. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन
8. पहला रंग – देवेंद्र राज अंकुर
9. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन
10. भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु – भगवत प्रसाद द्विवेदी
11. कंटेम्प्ररी इंडियन थिएटर : इंटरव्युज़ विद प्लेराइट्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी
12. थिएटर्स ऑव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाडकर

विकल्प-घ : मीडिया

प्रश्नपत्र-19 : मीडिया-I अवधारणामूलक

1. जनसंचार की अवधारणा, प्रक्रिया, रूप और प्रभाव : दैनिक पत्र की समाचार निर्माण प्रक्रिया, रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं प्रसारण प्रक्रिया, टी.वी. कार्यक्रम निर्माण प्रसारण प्रक्रिया, फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, इंटरनेट ब्लॉगिंग पत्रकारिता की प्रक्रिया (प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं - रेडियो, टी.वी. चैनलों, फिल्मों के उदाहरण का संदर्भ अपेक्षित)
2. पत्रकारिता का विकास-सुधारवादी पत्रकारिता : पूर्व गांधी युग, गांधी युग, आजादी के बाद की पत्रकारिता
   व्यावसायिक पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता की समकालीन चुनौतियाँ
3. (क) प्रिंटिंग प्रेस का विकास-समकालीन मुद्रण कला के रूप-कंप्यूटर, तकनीक आधारित पेज मेकिंग आदि
   (ख) यूनीकोड, पेज मेकिंग, प्रिंटिंग, डिजाइनिंग-पृष्ठ सज्जा, मेकअप, ले-आउट, फोटो आदि
4. समकालीन मीडिया संपादन/प्रसारण प्रक्रिया के आयाम
5. मीडिया और समकालीन विधिक व्यवस्थाएं :
   - आचार संहिता के सवाल
   - प्रसारभारती
   - केबल एक्ट
   - विज्ञापन संबंधी व्यवस्थाएँ

20 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र
2. हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास – रमेश कुमार जैन
3. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
4. समाचारपत्र और संपादन कला – अम्बिकादत्त वाजपेयी
5. हिंदी पत्रकारिता – रमेशचन्द्र त्रिपाठी
6. टेलीविजन : सिद्धांत और टेकनीक – मथुरादत्त शर्मा
7. जनमाध्यम और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
8. रेडियो वार्ता शिल्प – सिद्धनाथ कुमार
9. दूरदर्शन की भूमिका – सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र-20 : मीडिया-II अवधारणा एवं व्यवहारमूलक

1. (क) लेखन के मूलभूत सिद्धांत, भाषा प्रयोग, विविध संचार माध्यमों के लिए लेखन के प्रकार
   (ख) संचार माध्यमों के लिए सर्जनात्मक लेखन की शिल्पविधि - स्वरूप और विकास (सिद्धांत, तकनीक और प्रकार, शिल्प, विषयवस्तु)
2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन : समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, नाटक, कहानी, विज्ञापन, साक्षात्कार, खेल, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यापार आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
3. रेडियो के लिए लेखन : समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर, वार्ता, परिचर्चा, पटकथा, संवाद लेखन एवं नाटक, ध्वनिरूपक, कहानी, विज्ञापन, खेल, कमेंट्री, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यवसाय आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
4. टेलीविजन के लिए लेखन : लिखित स्क्रिप्ट का दृश्यीकरण, दृश्यलेख की विशिष्टताएँ, भेंटवार्ता, नाटक, धारावाहिक, टेलीफिल्म, विज्ञापन, साक्षात्कार आदि
5. सिनेमा के लिए लेखन के स्वरूप : फीचर फिल्म की पटकथा, डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

सहायक ग्रंथ :

1. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
2. भारत मीडिया - 2000 – भारत सरकार प्रकाशन संस्थान
3. संचार और विकास – श्यामाचरण दुबे
4. जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. Mass Communication in developing societies – Wilber Chem.
6. Understanding Media – Marshal Mechalo Hom.

विकल्प-ङ : भारतीय साहित्य

प्रश्नपत्र-19 : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

1

- भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक
  भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता
  विविधता में एकता के अंत:सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबंध
  भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार-तत्त्व
  भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

2

- भारतीय साहित्य का परिचय
  वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य
  पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य
  प्राचीन तमिल साहित्य

3

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय
  आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

4

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय
  आधुनिक भारतीय साहित्य

5

- भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलन
  भक्ति आंदोलन
  नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन
  स्वाधीनता आंदोलन
  स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य
  उत्तर आधुनिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ :

1. आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
2. वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
5. भाषा, साहित्य और संस्कृति – सं. विमलेशकांति वर्मा
6. बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन
7. मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
8. कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
9. तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
10. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
11. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
12. भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
13. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
14. अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – सं. सतीशकुमार रेहरा
15. भारतीय भाषा साहित्य – विभूति मिश्र

प्रश्नपत्र-20 : भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

1

- वाल्मीकि – 'सप्तपर्णा' में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
  कालिदास – 'उत्तरमेघ' से दस श्लोक, भगवतशरण उपाध्याय/नागार्जुन-कृत अनुवाद
  'गाथा सप्तशती' 10 गाथाएँ

2

- नामदेव – साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ
  मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना – साहित्य अकादमी

3

- लल द्यद – भाषा, साहित्य और संस्कृति – विमलेश कांति वर्मा
  वारिस शाह की हीर का एक अंश
  गालिब की गज़लें

4

- रवींद्रनाथ टैगोर गीतांजली के कुछ अंश साहित्य अकादमी के 'संचयन' से
  सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ – साहित्य अकादमी
  वल्लतोल की कविताएँ : साहित्य अकादमी

5

- उपन्यास-अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' से
  जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब'
  – महादेव भाई की जीवनी
  नाटक : हयवदन : गिरीश कर्नाड
  कहानी : कोंकणी कहानी तथा मणिपुरी कहानी

नोट : इकाई-1 से इकाई-5 तक के पाठों का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

सहायक ग्रंथ :

1. आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
2. वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र

4. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
5. भाषा, साहित्य और संस्कृति – सं. विमलेशकांति वर्मा
6. बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन
7. मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
8. कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
9. तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
10. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
11. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
12. भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
13. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
14. अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – सं. सतीशकुमार रेहरा

प्रश्नपत्र–21

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2